Sun Meri Devi Parvat Vasani Vindhyeashwari Aarti Lyrics in Hindi English

Sun Meri Devi Parvat Vasani Vindhyeashwari Aarti Lyrics in Hindi

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल ।
ले तेरी भेंट चढ़ायो माँ ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

सुवा चोली तेरी अंग विराजे ।
केसर तिलक लगाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

नंगे पग मां अकबर आया ।
सोने का छत्र चडाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

ऊंचे पर्वत बनयो देवालाया ।
निचे शहर बसाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

सत्युग, द्वापर, त्रेता मध्ये ।
कालियुग राज सवाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

धूप दीप नैवैध्य आर्ती ।
मोहन भोग लगाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

ध्यानू भगत मैया तेरे गुन गाया ।
मनवंचित फल पाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

Sun Meri Devi Parvat Vasani Vindhyeashwari Aarti Lyrics in English

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Paan Supari Dhwaja Nariyal,
Le Teri Bhent Chadhayo Maa.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Suva Choli Teri Ang Viraje,
Kesariya Tilak Lagaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Nange Pag Maa Akbar Aaya,
Sone Ka Chhatra Chadhaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Unche Parvat Banayo Dewalaya,
Niche Shahar Basaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Satyug, Dwapar, Treta Madhye,
Kaliyug Raj Savaaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Dhoop Deep Naivedhya Aarti,
Mohan Bhog Lagaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

Dhyanu Bhagat Maiya Tere Gun Gaya,
Manvanshit Phal Paaya.

Sun Meri Devi Parvatwasini,
Koi Tera Paar Na Paaya Maa.

About Sun Meri Devi Parvat Vasani Vindhyeashwari Aarti in English

“Sun Meri Devi Parvat Vasini Vindhyeshwari Aarti” is a devotional hymn dedicated to Goddess Vindhyavasini, a revered form of Goddess Durga who resides on the Vindhya Mountain. Goddess Vindhyavasini is believed to be the goddess who grants power, prosperity, and removes obstacles from the lives of her devotees. This aarti praises her divine qualities, strength, and her role as the

protector of her devotees.

The aarti begins with an invocation to the goddess, emphasizing her transcendental power and the fact that no one has ever been able to surpass her. It describes the various offerings made to her, including paan, supari (betel nut), flags, and coconuts, symbolizing devotion and reverence. The aarti also praises the goddess's divine presence and the rituals performed in her honor, such as lighting incense, offering prasad, and singing her praises.

It acknowledges the goddess's influence across the ages—Satyug, Dwapar, Treta, and Kalyug—illustrating her timeless and eternal presence. The hymn also mentions the temple of Goddess Vindhyavasini being constructed on high mountains and the devotion of saints and followers who visit the shrine for blessings. Devotees sing this aarti to seek the goddess's blessings for success, protection, and spiritual growth, invoking her power to overcome all difficulties and obstacles in life.

About Sun Meri Devi Parvat Vasani Vindhyeashwari Aarti in Hindi

"सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी विंध्येश्वरी आरती" देवी विंध्यवासिनी की महिमा का बखान करने वाली एक भक्ति गीत है। देवी विंध्यवासिनी, जो देवी दुर्गा के एक रूप के रूप में विंध्याचल पर्वत पर वास करती हैं, को शक्ती, समृद्धि और हर संकट से मुक्ति देने वाली देवी माना जाता है। यह आरती उनकी शक्ति, कृपा और दिव्यता की स्तुति करती है।

आरती की शुरुआत देवी विंध्यवासिनी की महिमा से होती है, जिसमें उनकी अद्वितीय शक्ति और उनके भक्तों के प्रति उनकी अनंत कृपा का वर्णन किया जाता है। देवी को विभिन्न भेंटों, जैसे पान, सुपारी, ध्वजा, नारियल आदि, अर्पित किए जाते हैं, जो भक्तों के समर्पण और श्रद्धा का प्रतीक होते हैं। आरती में देवी की पूजा विधि और उनके साथ किए जाने वाले धार्मिक अनुष्ठानों का भी उल्लेख है, जैसे दीप जलाना, नैवेद्य अर्पित करना और आरती गाना।

यह आरती देवी विंध्यवासिनी की अनंत महिमा का गुणगान करती है, और भक्त उनसे आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं कि वे उनके जीवन से सभी कष्टों और विघ्नों को दूर करें, साथ ही शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करें। यह आरती उनके प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है।